बीईसीई-214

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बीडीपी)

सत्रीय कार्य
(2026-27)

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.ई.–214
पाठ्यक्रम का शीर्षक : भारत में कृषि विकास

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली– 110068

बीईसीई–214
भारत में कृषि विकास
सत्रीय कार्य (टीएमए)
2026–27

कार्यक्रम कोडः बीडीपी

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.ई.–214

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि बीएजी की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है, आपको अर्थशास्त्र के इस वैकल्पिक पाठ्यक्रम (बी.ई.सी.ई.–214) के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह एक शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए) है और इसके 100 अंक नियत हैं।

यह महत्वपूर्ण है कि आपस भी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। टीएमए को आपको विभिन्न श्रेणियों के प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यहां मूल्यांकन आपके उत्तरको व्यवस्थित, सटीक और सुसंगत तरीके से प्रस्तुत करने की आपकी क्षमता को ध्यान में रखकर किया गया है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग क में 20–20 अंकों के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। भाग ख में 12–12 अंकों के चार प्रश्न हैं जब कि भाग ग में आपको 6–6 अंकों के दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

जमा करना : पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास जमा करना है।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि है :

31 मार्च, 2027	**जून 2027 की सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए**
30 सितंबर 2027	**दिसंबर 2027 सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए**

भारत में कृषि विकास
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः बीईसीई-214
सत्रीय कार्य कोडः एएसटी/टीएमए/2026-27
कुल अंक : 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

सत्रीय कार्य–1

निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2×20=40

1) भारत में कृषि विविधीकरण (Agricultural Diversification) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। फसलों के चयन को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों तथा विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विविधीकरण के स्वरूप पर चर्चा कीजिए।

2) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के काल में कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के विकास हेतु भारत सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख नीतिगत कदमों की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य–2

निम्नलिखित मध्यम उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

4×12=48

3) पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में वनों के महत्व की व्याख्या कीजिए। भारत में वनों की कटाई तथा वन क्षरण के प्रमुख कारणों पर चर्चा कीजिए।

4) भारत में जल के प्रमुख स्रोतों की चर्चा कीजिए तथा उनके संरक्षण एवं सतत प्रबंधन से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों की व्याख्या कीजिए।

5) भारत में कृषि उत्पादकता के निम्न स्तर के प्रमुख कारणों की व्याख्या कीजिए। कृषि उत्पादकता के निर्धारण में भूमि, श्रम तथा पूंजी की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

6) हरित क्रांति के बाद भारतीय कृषि में हुए प्रमुख परिवर्तनों की चर्चा कीजिए। कृषि उत्पादन तथा ग्रामीण विकास पर इनके प्रभावों की व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य–3

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर लगभग 100 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

2×6=12

7) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) हरित क्रांति तथा इसकी प्रमुख विशेषताएँ

(ख) ग्रामीण विकास में स्थानीय स्वशासन की भूमिका